

Lora Devanagari

नयिमति और बोलड

Bold and Regular

भारत के उत्तर में हिमालय की परवतमाला नए और मोड़दार पहाड़ों से बनी है। यह परवतशृंगों कश्मीर से अरुणाचल तक लगभग १,५ मील तक फैली हुई है। इसकी चौड़ाई १५ से २ मील तक है। यह संसार की सबसे ऊँची परवतमाला है और इसमें उनके चोटियाँ २४, फुट से अधिक ऊँची हैं। हिमालय की सबसे ऊँची चोटी माउंट एवरेस्ट है जिसकी ऊँचाई २९,२८ फुट है जो नेपाल में स्थित है। अन्य मुख्य चोटियाँ कंचनजंगा (२७,८१५

फुट), धौलागिरी (२६,७९५ फुट), नंगा परवत (२६,६२ फुट), गोसाईथान (२६,२९१ फुट), नंदादेवी (२५,६४५ फुट) इत्यादि हैं। गोंडवनि ऑसटनि (माउंट क२) जो २८,२५ फुट ऊँची है, हिमालय का नहीं, बल्कि कश्मीर के केराकोरम परवत का एक शिखर है। हिमालय प्रदेश में १६, फुट से अधिक ऊँचाई पर हमेशा बर्फ जमी रहती है। इसलिए इस परवतमाला को हिमालय कहना सर्वथा उपयुक्त है।

हिमालय का पर्वतीय भाग

The northern frontiers of India are defined largely by the Himalayan mountain range, where the country borders China, Bhutan, and Nepal. Its western border with Pakistan lies in the Punjab Plain and the Thar Desert. In the far northeast, the Chin Hills and Kachin Hills, deeply forested mountainous regions, separate India from Burma. On the east, its border with Bangladesh is largely defined by the Khasi Hills and Mizo Hills, and the watershed region of the Indo-Gangetic Plain.

हिमालय के दक्षिण में एक वसित समतल मैदान है जो लगभग सारे उत्तर भारत में फैला हुआ है। यह गंगा, ब्रह्मपुत्र तथा संधि और उनकी सहायक नदियों द्वारा बना है। यह मैदान गंगा संधि के मैदान के नाम से जाना जाता है। इसका अधिकतर भाग गंगा, नदी के क्षेत्र में पड़ता है। संधि और उसकी सहायक नदियों के मैदान का आधे से अधिक भाग अब पश्चिमी पाकिस्तान में पड़ता है और भारत में सतलुज, रावी और व्यास का ही मैदान रह गया है। इसी प्रकार पूरव में गंगा नदी के डेल्टा का अधिकांश भाग पूरबी पाकिस्तान में पड़ता है। उत्तर का यह विशाल मैदान पूरव से पश्चिम, भारत की सीमा के अंदर लगभग १,५ मील लंबा है। इसकी चौड़ाई १५० से २०० मील तक है। इस मैदान में कहीं कोई पहाड़ नहीं है।